>

Title: Problems being faced by the casual coal mine workers in the Country.

श्री धर्मेन्द्र प्रधान : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार के सामने कुछ महत्वपूर्ण विषयों का उल्लेख करना चाहूंगा। देश में लगभग 10 लाख श्रमिक कोयला खदानों में कैजुअल लेबर के रूप में काम करते हैं। देश में लगभग 4 लाख लोग जो कोल इंडिया की डिफरेंट सब्सिडरीज के पे-रोल में है। इसी तरह 10 लाख लोग, जो कैजुअल लेबर के नाते काम कर रहे हैं, उन्हीं की बदौलत आज देश में लगभग 400 मिलियन टन कोयले का उत्पादन होता है। ये लोग अंडरग्राउंड और ओपन माइनिंग का काम भी करते हैं, ट्रांसपोर्ट सैक्शन इन्हीं लोगों के भरोसे चलता है। इसके अलावा सारा मेंटेनेंस काम इन्हीं के हाथ में है, कोल हैंडलिंग का काम और रेलवे में रैक को भरने का काम इन्हीं की बदौलत होता है, लेकिन अगर इनकी हालत और तनख्वाह को देखा जाए, तो पता चलेगा कि ये बहुत खराब स्थिति में है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करना चाहता हूं कि इनकी तनख्वाह और सुरक्षा के बारे में सोचा जाए। उनके लिए जूता, टोपी और पोशाक का प्रबंध किया जाए। सरकार को इनके मेडिकल ट्रीटमेंट का प्रबंध और उनके बच्चों की शिक्षा के बारे में विचार करना चाहिए। कोल माइनिंग में प्रॉविडेंट फंड सिस्टम की अलग व्यवस्था है, बहुत सी सब्सिडरीज में तो कैजुअल मजदूरों का पीएफ कटता ही नहीं है।

उपाध्यक्ष महोदय : आप क्या चाहते हैं, वह पूछिए?

श्री धर्मेन्द्र प्रधान : उपाध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूं कि सरकार दस लाख कैजुअल मजूदर, जो कोयला क्षेत्र में काम कर रहे हैं, उनके लिए स्पेशल पैकेज दे और कन्सॉलिडेट फंड का प्रबंध करे और उनकी स्वास्थ्य, सुरक्षा और वेजेज के बारे में विचार करे।